।।ओ श्याम मुरारी।।

ओ श्याम मुरारी, कब तक यूँ तरसावैगो बता,
म्हारा श्यामजी, खाटुवाला श्याम।
टेर।

कब स बाट निहारता, हो गई म्हानै देर,
करनी पड़सी साँवरा, अपने भगत पर म्हैर,
ओ श्याम मुरारी, कब करूणा बरसावैगो बता,
म्हारा श्यामजी…

मस्ती भरदे साँवरा, दो नैणा क माय,
दर्दी आयो बारणे, एकबर हँस बतलाय,
ओ श्याम मुरारी, कब तक धीरज धारू तू बता,
म्हारा श्यामजी…

अरजी सुण 'शिव सुबोध' की, मुलकै देखो श्याम,
दास तिहारो साँवरा, आयो खाटु धाम,
ओ श्याम मुरारी, भगता न तरसावै क्यू बता,
म्हारा श्यामजी…

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com